युवाओं की बड़ी कंपनी... बड़ा दिल!

जिस दौर में छात्र नौकरी की तमन्ना लेकर कॉलेज से निकलते थे, उस दौर में अभिषेक पारीक , अमित अग्रवाल और कुलदीप कुण्डल ने लोगों को नौकरी देने की ठानी। आज वो पांच देशों में लोगों को नौकरी दे रहे हैं। एमआईटी मंदसौर से 2002 इजीनियरिंग के बाद 2003 में जब इंदौर में साफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी की शुरूआत की तो ये तीनों ही कर्मचारी भी थे लेकिन आज कंपनी की इंदौर यूनिट में ही साढ़े पांच सौ कर्मचारियों को नौकरी देकर ये तीनों मंदी को ठेंगा दिखा रहे है। उनका कारोबार हिंदुस्तान ही नहीं अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, में भी है। अभिषेक पारीक का कहना है कि 2020 तक तीन हजार लोगों को नौकरी देना चाहते हैं।

ये तीनों सिर्फ बिजनेस ही नहीं करते। सामाजिक सरोकार भी निभाते हैं, इसीलिए उन्होंने अभियान चलाया है जिसका नाम'जॉय ऑफ लिविंग- पहल'। कल मुलाकात हुई तब ये अनाथ ब÷ों को फिल्म दिखाने की तैयारी कर रहे थे। अमित अग्रवाल कहते है- हम बच्चों को तरक्की का रास्ता दिखाना चाहते है, साल में एक बार बच्चों से मिलते हैं, उनसे बातें करते है, फिल्म दिखाते हैं। कुलदीप कुण्डल बता रहे थे कि आईटी सेक्टर में वारेन बफेट सामाजिक कामों में करोड़ों खर्च करते है, उनका असर हम पर भी है इसलिए हम कभी खूनदान कैंप लगाते तो कभी अनाथालय जाते हैं, आखिर हमारी भी तो जिम्मेदारी है। बातचीत के कुछ देर बाद ही अनाथालय के बच्चे आ जाते हैं और कंपनी के कर्मचारी भी इस गेट टू गेदर में शामिल हो जाते है, कोई उन्हें संगीत के बारे में बताता है, कोई बातें करता है, फिर सब मिलकर केक काटते हैं उसके बाद कार्टून फिल्म एंग्री बर्ड दिखाई और स्कूल बेग, पेंसिल,पेन भी गिफ्ट किए । तीनों का कहना है कि तेरह साल में हम इंदौर का सबसे बड़ा आईटी सेंटर बन गए है। प्रदेश का सबसे बड़ा आईटी सेंटर तो बनना ही है, सामाजिक सरोकारों में भी भागीदारी बढ़ाना है, ऐसे बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा भी लेगें।

❐ नगर प्रतिनिधि

सायबर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रायवेट लिमिटेड कंपनी ने जाय आफ लिविंग - पहल अभियान शुरू किया है।